बरेली, सोमवार
24 अगस्त, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 14+4=18

दैनिक जागरण

PAGE NO 6 : MIDDLE

'दिव्यांगजन को सहानुभूति नहीं, अपनेपन की जरूरत'

जासं, बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा के प्रेक्षागृह में रविवार शाम नाटक 'टैक्स फ्री' का मंचन हुआ। चार दृष्टिबाधित व्यक्तियों के जीवन, उनके संघर्ष, संवेदनाओं और हास्य से भरपूर दृष्टिकोण को इस नाटक के माध्यम से अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। 'ब्लाइंड मेन्स क्लब' की रोचक घटनाओं के माध्यम से नाटक ने यह संदेश दिया कि जीवन की कठिन परिस्थितियों के बावजूद हंसी, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास ही वास्तविक शक्ति है। प्रदर्शन के दौरान दर्शकों ने कई दृश्यों पर खुलकर ठहाके लगाए, वहीं भावनात्मक क्षणों ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया।

कहानी चार दृष्टिहीन व्यक्तियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी शारीरिक सीमाओं को अपनी कमजोरी नहीं बनने देते। वे अपने जीवन को हंसी, मित्रता और आत्मविश्वास के साथ जीने का प्रयास करते हैं। उनके संवाद, हास्यपूर्ण परिस्थितियां और आपसी रिश्ते दर्शकों को भरपूर मनोरंजन के साथ जीवन का गहरा दर्शन भी कराते हैं। डा. चंद्रशेखर फणसलकर लिखित नाटक का निर्देशन अमूल सागर ने किया है। नितिन ने केंजले मास्टर, प्रियांश ने सदाशिव काले, रजत कुमार ने पंढरपुर संजीव ने राहु जगताप की भूमिका निभाई। प्रकाश संयोजन की जिम्मेदारी अमूल सागर ने और बैक स्टेज की जिम्मेदारी जतिन जैन ने निभाई।

इस अवसर पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, देविशा मूर्ति, उषा गुप्ता, सुभाष मेहरा, डा. एमएस बुटोला आदि मौजूद रहे।

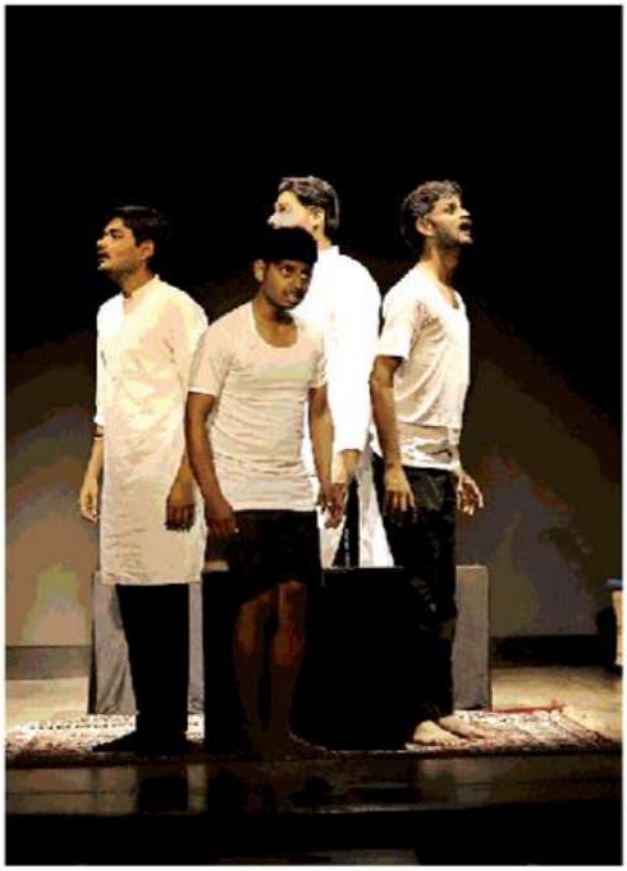

रिद्धिमा में नाटक मंचन करते कलाकार ● सौ. आयोजक